

to this side also. That is why they are agitated.

SHRI VAYALAR RAVI: Sir, they are not interested in protecting the Harijans. Their interest is to accuse Government and to take political advantage.... (Interruptions)

SHRI K. GOPAL: Sir, I have got two points to make.... (Interruptions)

MR. SPEAKER: No more questions.... (Interruptions)

SHRI K. GOPAL: There are two things. First, you said that it was a regional question and only Members from Maharashtra will put questions. That is not correct. This is my humble submission. The second point is that you have to call the Members from the opposite side also.... (Interruptions).

MR. SPEAKER: You are not correct in saying that the Opposition Members are not given chance. There are 4 or 5 parties or groups. I have allowed Mrs. Rangnekar. I have given an opportunity to Mr. Keshavrao Dhondge and I have allowed Mr. Kamble. It is not possible to give opportunity every time to every group and every party... (Interruptions)

SHRI K. LAKKAPPA: The issue is that the Prime Minister's direction has been violated. The Home Minister has not followed the instruction of the Prime Minister. But they are attacking the Government of Maharashtra.... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Nothing more please, sit down. Next question No. 699.

PROF. P. G. MAVALANKAR: Sir, you have not heard me. So, many times.... (Interruptions)

MR. SPEAKER: I have heard you. I cannot go on hearing all the 544 Members.

Amount spent on Research and Development Scheme of Small Scale Industries

*700. **SHRI SURENDRA BIKRAM:** Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) the amount spent on the Research and Development Scheme for small scale industries;

(b) the details of the technology evolved by the research units to develop small units; and

(c) whether any evaluation had been done of the work done in research laboratories; if so, the details thereof?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI GEORGE FERNANDES): (a)

An amount of Rs. 3.20 lakhs has been spent upto February, 1978 on the research and development scheme for the small scale sector from the Ministry's budget. Since Deptt of Science and Technology and Council of Scientific and Industrial Research are also operating schemes for research and development for small scale industries, the requisite information is being collected from them and shall be placed before the House in due course.

(b) and (c) Since the scheme under this Ministry's budget is in the initial stages of implementation, no technologies have been evolved and no evaluation done so far. In respect of schemes being operated by the Deptt of Science and Technology and Council of Scientific and Industrial Research, the requisite information is being collected.

श्री सुरेन्द्र बिक्रम : मंत्री महोदय ने प्रश्न के 'ख' तथा 'ग' भाग के उत्तर में कहा है कि सूचना एकत्र की जा रही है और अब एकत्र हो जाएगी सभा पटल पर रख दी जाएगी। ऐसी अवस्था में मैं जानना चाहता हूँ कि क्या आप इस सवाल को स्थगित कर देंगे ताकि जब जानकारी प्राप्त जाए तब इस सवाल को लिया जा सके? क्या आप इसको पोस्टपोन करने के लिए तैयार हैं?

MR. SPEAKER: He says that the information is being collected and it will be placed on the Table. There are a number of institutions which are working in the matter and he will have to collect the information and place it before the House. It will take sometime. Now, if you want to put supplementary question, you can do so. Otherwise you can put the question later on.

श्री सुरेन्द्र विक्रम प्रध्याक्ष जी, क्या प्राप इस प्रश्न को पोस्टपान करेगे क्योंकि (ख) और (ग) का जवाब नहीं प्राया है।

AN HON MEMBER: No supplementaries can be asked unless a proper reply is given.

MR. SPEAKER: You can put a question again if you want further information.

श्री सुरेन्द्र विक्रम ग्रामाक्ष जी, मैं मंत्री जी में पूछना चाहता हूँ कि लघु उद्योगों की योजना प्रारम्भिक अवस्था में है, इसको ग्रामोन्मुखी बनाने के लिये क्या योजना सरकार के विभागधीन है ?

श्री जार्ज फर्नान्डिस प्रध्याक्ष जी, मैंने जो जवाब दिया है हमारे मन्त्रालय की ओर से लघु उद्योग में जो रिमर्च और डेवलपमेंट के लिये व्यवस्था है सिर्फ वही तक सीमित रहता है। प्रश्न है कुल रिमर्च और डेवलपमेंट के बारे में स्माल स्केल इंडस्ट्रीज का ले कर। वह काम माइंस और टेक्नोलॉजी और काउन्सिल प्राफ साइंटिफिक इंडस्ट्रियल रिमर्च, इसकी जितनी सम्भाव्य है, कई नेबोरेटरीज है, जागहूट में है, जम्बू कम्पिंग में है, हैदराबाद में है, भुवनेश्वर में है जो रीजनल रिमर्च नेबोरेटरीज है, जो इन्में रिमर्च कर रही हैं। इसके अलावा कई और रिमर्च सेन्टर्स हैं, कुछ निजी भी हैं। तो यह सब से मिल कर जो रिमर्च और डेवलपमेंट का काम हो रहा है उसकी जानकारी जुटाने के लिये हमें समय लग जायेगा। हमारे मन्त्रालय की ओर से 1975-76 में राष्ठी में प्रोसेस-

कम-ओडकट डेवलपमेंट सेन्टर फॉर ग्लास ऐंड सिरेमिक्स इसका एक काम शुरू हुआ है जो काम इस समय जारी है जिस पर इस साल फरवरी महीने तक 3 लाख 20 हजार रुपये खर्च कर चुके हैं। वह क्योंकि वह काम शुरू हुआ था 1976 के अन्त में और अभी भी शुरू की अवस्था में है इसलिये वह क्या क्या काम हो गये है इसके बारे में अभी कोई ठोस चीज कहने जैसी बात इस वक्त नहीं है क्योंकि वह शुरू की अवस्था में है।

श्री सुरेन्द्र विक्रम मंत्री जी ने उत्तर में कहा कि बहुत सी सस्याये हैं जो रिमर्च कर रही हैं। तो रिमर्च पूरी हो जाने पर क्या मंत्री जी लघु उद्योग स्थापित करने के लिये ग्रामीण स्तर पर कोई ऐमा प्रशिक्षण शिविर भी कायम करने की कृपा करेगे या उनको मन्त्रहू वेगे कि प्रशिक्षण शिविर भी कायम करे जिससे ग्रामीण भाइयों को फायदा हो ?

श्री जार्ज फर्नान्डिस : प्रध्याक्ष जी, मैंने जैसा पहले ही कहा कि यह जो रिमर्च और डेवलपमेंट है यह काम लगातार जारी है, इसमें कोई किसी एक समय यह काम रुक गया या शुरू हुआ, यह बात नहीं है। यह काम लगातार जारी है। (व्यवधान) ठीक है उसका ऐप्लीकेशन नहीं हो रहा था। यह मैं स्वीकार करता हूँ कि लघु उद्योग के लिये जो भी रिमर्च आज तक हुआ है उसका जिन प्रमाण से ऐप्लीकेशन होना चाहिये था, अमल में लाने का काम होना चाहिये था, वह नहीं हो रहा था। वह काम आज हम कर रहे हैं।

दरअमल अगले पांच वर्षों में, जैसे पिछले पांच वर्षों में रिमर्च और डेवलपमेंट, साइस और टेक्नोलॉजी के लिये अर्थात् 813 करोड़ रुपये खर्च किये थे वही अगले पांच वर्षों में सरकार 1481 करोड़ रुपये खर्च कर रही है इस रिमर्च और डेवलपमेंट, साइस और

टेक्नोलॉजी के काम में । इसलिये पूंजी ज्यादा सगामी जा रही है । इसके इस्तेमाल का जो काम है वह सरकार की जो औद्योगिक नीति है और अन्य नीतियां हैं उसके साथ जोड़ कर प्रमल करने का काम किया जायगा ।

श्री लालू प्रसाद : मंत्री महोदय ने बताया कि लघु उद्योग के विकास के लिये हमारा रिसर्च का काम चल रहा है । तो मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि कब तक यह काम पूरा हो जायगा जिसमें लघु उद्योग का काम पूरा हो सके ?

MR. SPEAKER: Research work is never completed.

श्री जार्ज फ़र्नान्डिस : अध्यक्ष जी, आप ही ने कहा कि रिसर्च का काम कभी समाप्त नहीं होता, वह चलता रहता है । उसका लाभ उठाना सरकार का काम है, उन काम में सरकार लगी हुई है ।

SHRI P. VENKATASUBBIAH: The hon. Minister had stated earlier that various agencies have been engaged in research and development work, various laboratories working in different states. Is there any coordinating agency to see that there is no duplication in this respect? Has the ministry any scheme to see that the results are communicated to the field for application and is there any agency to provide the necessary financial assistance to such of those people who want to apply the result of research and development in small-scale industries?

SHRI GEORGE FERNANDES: The Council of Industrial and Scientific Research is the coordinating agency that has been in existence and where the application of Research and Development is concerned, the recent decision that the Government took to make some of these laboratories get tagged on to the Ministries concerned, I believe, Sir, would be a step which will enable us to see that all

research is applied into practical working. In so far as the assistance to people to make use of the results of the research is concerned, the laboratories have their own linkages with a number of on-going concerns and a large number of new and young entrepreneurs are constantly in touch with the laboratories and there is a constant transfer of the technology into productive use.

Crash Plan for Educated Unemployed

*701. DR. RAMJI SINGH: Will the Minister of PLANNING be pleased to state:

(a) whether there is any crash plan for providing employment to the educated unemployed in the current year and also in the Sixth Plan; and

(b) if so, the main features thereof?

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI): (a) and (b). Government is fully conscious of the problem of the educated unemployed. This problem cannot be resolved by "Crash Programmes". Every effort will be made to enlarge the area of employment for educated youth through the implementation of investment plans in different sectors as proposed in the Draft Five Year Plan 1978-83.

डा० रामजी सिंह यह बहुत खुशी की बात है कि प्रधान मंत्री जी ने इसका उत्तर दिया है । इसके पहले भी हम सदन में श्री रामगोपाल रेड्डी, श्री सुरेन्द्र विजय ने बहुत ग्रांड और ग्रेन-ग्रांड क्वेश्चन पूछे थे । प्रधान मंत्री जी को मालूम है कि जिसके बेरोजगारी की संख्या दिन-प्रति-दिन बढ़ती जा रही है । छठी योजना के प्राव्य में यह बताया गया है कि मैट्रिक में 370 लाख से लेकर 520 लाख तक और बिग्रीड-मैट्रिक 68 लाख से 75 लाख और साक्षरता का जो महा-अभियान उन्होंने शुरू किया है इसमें साक्षरों की संख्या 740 लाख से 1270 लाख बढ़ेगी ।